b&lekpkj i=

प्रज्ञान

';okvk dk ep'

सप्ताह का विचार

बहादुर अकेला ही महान लक्ष्य हासिल कर सकता है ना कि कायर।।

–स्वामी विवेकानंद

fnukad 15 vDVcj 2016 ¼lkIrkfgd½ o"k 1] vad 21

सुभारती विश्वविद्यालय में वार्षिक सास्कृतिक कार्यक्रम "स्पन्दन" का हुआ आगाज

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्‌धाटन करते हुए कुलपति एन.के. अहुजा

सुभारतीपुरम। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय में बुधवार से तीन दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों "स्पन्दन" का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के पहले दिन फेस पेंटिग प्रतियोगिता, फोटोग्राफी प्रतियोगिता और मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कोार के लिए चुना गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुभारती के.के.बी.चेरिटेबल की अध्यक्षा शल्या राज और विवि के कुलपति डॉ. एन.के.आहूजा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन और माल्यार्पण कर किया गया। सुभारती के इस वार्षिक सास्कृतिक कार्यक्रम के प्रथम दिन फेस पेंटिग प्रतियोगिता में विवि के आठ कॉलेज की टीमों ने भाग लिया। इसमें विभिन्न कॉलेज के छात्र–छात्रा आकाश सिंह, सैफ अली, दिग्विजय, अंशिका, प्राची चौधरी, आदि ने भाग लिया। प्रतियोगिता का विषय 'पर्यावरण बचाओ, पृथ्वी बचाओ' रहा, डॉ. रफत खान और डॉ. पूजा गुप्ता निर्णायक मण्डल में रही। प्रतियोगिता के संयोजक रीना विश्नोई व डॉ. सरताज रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान लॉ कॉलेज की छात्रा उदिता अग्रवाल और फे. कल्टी ऑफ साइंस के छात्र दिग्विजय और अंशिका ने दूसरे स्थान प्राप्त किया। वहीं मेंहदी

प्रमुख बिन्दु

- **फेस पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान लॉ कॉलेज की छात्रा उदिता अग्रवाल को मिला।**
- **मेंहदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एजुकेशन विभाग की छात्रा आयुषि ने प्राप्त किया।**
- **नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुभारती पत्रकारिता विभाग के छात्रों का रहा।**
- **एकल गायन प्रतियोगिता में पत्रकारिता संकाय के छात्र हृद्यांश राज त्रिपाठी ने ग्रहण किया।**
- **समूह गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पत्रकारिता विभाग के अन्तरा ग्रुप ने प्राप्त किया।**
- **एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान फाईन आर्ट्स की छात्रा राधिक ने हासिल किया।**

प्रतियोगिता में सुभारती विवि के सभी कॉलेजों की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मेंहदी प्रतियो. गिता की थीम 'करवा चौथ' रही। डॉ. अंजलि खरे व बरखा भारद्वाज ने निर्णायक मण्डल की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता को संयोजक मुमताज शेख और मंजू खरे रहीं। प्रथम स्थान एजुकेशन विभाग की छात्रा आयुषि ने तथा दूसरा स्थान सुभारती इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स की छात्रा दिव्या यादव ने व तीसरा स्थान सुभारती इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स की छात्रा शिव प्रसाद ने हासिल किया।

नुक्कड और पेंटिंग से शिक्षा, सेवा, संस्कार और राष्ट्रीयता का सन्देश

सुभारतीपुरम। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय में बृस्पतिवार को सुभारती टै. क्नालाजी एवं इंजीनियरिंग विभाग में शिक्षा, सेवा, संस्कार और राष्ट्रीयता के विषय पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्रों के समूहों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए तथा फाइन आर्ट्स विभाग में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

वृहस्पतिवार को विभिन्न विभागों के छात्रों के समूहों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए। इस कार्यक्रम में कुल 6 कालिजों की टीमों ने हिस्सा लिया। जिनमें सुभारती पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, सुभारती मेडिकल कॉलिज,सुभारती नर्सिंग कॉलिज, सुभारती फामे. 'सी कॉलिज,सुभारती फैकल्टी ऑफ साइंसकॉलिज व सुभारती फिजियोथेरेपिस्ट कॉलिज शामिल थे।

सभी कॉलिज की टीमों ने शिक्षा, सेवा, संस्कार और राष्ट्रीयता को ध्यान में रखते हुए दिल को छू लेने वाली कहानियों को अपने अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत की। जिनमें एक लड़की का पढ़ाई के लिए संघर्ष, शिक्षा का सिस्टम, स्वच्छ भारत–स्वस्थ भारत, विदेश में जाकर भी अपने संस्कारों को याद रखना शेष अगले पृष्ठ पर

सेना के जवानों के देश प्रेम की भावना को दर्शाते हुए सुभारती पत्रकारिता एवं जनसंचार के छात्रों के द्वारा नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति।

पहले पृष्ठ का शेष भाग

सरहद पर अपनी जान की परवाह न कर देश की सेवा करने वालेवीर सेनानियों के सेवा भाव और उनको श्रध्दांजलि देते हुए नाटक प्रस्तुत किए गए।

इस प्रतियोगिता में सुभारती पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग (प्रथम),सुभारती फैकल्टी ऑफ साइंसकॉलिज (द्वितीय) वसुभारती फिजियोथेरे. पिस्ट कॉलिज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन सुभारती टैक्नालाजी एवं इंजीनियरिंग विभाग की सुमन मिश्रा और फिजियोथेरेपिस्ट कॉलिज की मंजू अधिकारी मे किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विभाग के डॉयरेक्टर डॉ जैन शेखर ने किया। कार्यक्रम में निर्णायक फाइन आर्टस के परवेज राणा और मैंनेजमैंट विभाग की पदमा मिश्रा रही तथा पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन नेहा सिंह, शशि व पिंकी देवी ने किया। उनहोंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यह एक अच्छी कोशिश थी। जो जीते उन्हें उन्होंने बधाई दी और जो नहीं जीते उनका हौंसला बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना जरूरी होता है। इसलिए कोशिश करते रहना चाहिए।

सुर, लय, ताल और नृत्य से झूम उठा सुभारती

सुभारतीपुरम। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम "स्पन्दन" में आज एकल गायन, समूह गायन, एकल नृत्य और समूह नृत्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन प्रतियो. गिता के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को चुना गया।

सुभारती विवि के जीटीबी ऑडिटोरियम में आयोजित एकल गायन प्रतियोगिता में विवि के विभिन्न कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। एकल गायन प्रतियोगिता में सुभारती जनसंचार एवं पत्रकारिता संकाय के छात्र ह्रद्यांश राज त्रिपाठी एवं फेकल्टी ऑफ साईंस की छात्रा अंजलि राणा ने प्रथम स्थान और अमित त्रिपाठी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। डॉ. दिव्या और डॉ. विनिता निखिल निर्णायक मण्डल में रही। प्रतियोगिता के संयोजक समिति में मोहिनी महोत्रा, विवेक राणा और रितु तोमर रहे।

वहीं समूह गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुभारती जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के अन्तरा ग्रुप ने तथा सुभारती कॉलेज ऑफ

फिजियोथिरेपी के पुनीत एंड ग्रुप ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस कार्यकम में डॉ. अंजलि खरे व डॉ. लक्ष्मी देवी ने निर्णायक मण्डल की भ. ूमिका निभाई। प्रतियोगिता के संयोजक समिति में सुरेंद्र कुमार अधाना, नेहा सिंह, गुंजन शर्मा रहीं। एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुभारती इंस्टीट्यूट ऑफ फाईन आर्ट्स की छात्रा राधिका ने, दूसरा स्थान सुभारती जन. संचार एवं पत्रकारिता विभाग की छात्रा ईशा और तृतीय स्थान सुभारती इंस्टीट्यूट ऑफ फाईन आर्ट्स के छात्र अक्षय ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता के संयोजक समिति में डॉ. अंशिका सिंह, डॉ. शैफाली पुष्पा और डॉ. अमित मोहन रहे। कॉलेज के छात्रों ने प्राप्त किया। डॉ. अंशुल और डॉ. अंजली राज निर्णायक मण्डल में रहे।

शेष अगले पृष्ठ पर

पेज 2 का शेष भाग

प्रतियोगिता के संयोजक समिति में डॉ. मोहिनी, डॉ. संगीत और डॉ. सरिता रही।

वही फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुभारती जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के छात्र यशु शर्मा और दूसरा स्थान बीजेएमसी प्रथम वर्ष के छात्र पंकज शर्मा ने प्राप्त किया। इस वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम "स्पन्दन" की अगली कड़ी में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।इस कार्यक्रम को आयोजित कराने में सुभारती विवि के संस्कृतिक विभाग की अध्यक्ष डॉ. भावना ग्रोवर और संस्कृतिक विभाग की समिति का अहम योगदान रहा। इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के डीन, प्राचार्य, विभागाध्यक्ष और प्रवक्ता मौजूद रहे।

समसामयिकी

➪ रिपोर्ट नेचर नामक जर्नल के अनुसार चंद्रमा प्रत्येक 81 हजार साल में अपना रूप बदलता है।

➪ यतेलंगाना सरकार ने राज्य बनने के दो साल बाद प्रमुख प्रशसानिक बदलाव करते हुए 11 अक्. टूबर 2016 को 21 नए जिले बनाए हैं। इसी के साथ राज्य में कुल जिलों की संख्या 31 हो गई है।

➪ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 8 अक्टूबर 2016 को देश के पहले श्अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्रश का शुभारंभ मुम्बई में किया।

➪ भारत के अनुभवी पिस्टल निशानेबाज जीतू राय ने 10 अक्टूबर 2016 को अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) चौम्पियंस ट्रॉफी जीत ली है।

➪ इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईएफपीआरआई) द्वारा 11 अक्टूबर 2016 को वै. श्विक भुखमरी सूचकांक जारी किया गया। इस सू. चकांक में भारत को 97वां स्थान प्राप्त हुआ।

➪ ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी (ओईडी) में शब्द अइयो और अईया को अक्टूबर 2016 में शामिल किया गया. यह चीनी शब्द मेंडेरियन तथा कैंटोनीज बोलियों से लिए गये हैं।

➪ भारतीय आफ स्पिनर आर अश्विन आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर

➪ मोरक्को की इस्लामिक जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी के नेता अब्देलिलाह बेकिराने को 10 अक्टूबर 2016 को मोरक्को का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया. यह प्रधानमंत्री के रूप में उनका दूसरा कार्यकाल है।

➪ केंद्र सरकार ने 12 अक्टूबर 2016 को ओडिशा में महानदी बेसिन (तटवर्ती) में तेल एवं गैस खोज कार्यक्रम की शुरूआत की।

योजनाओं का लागू होना ही सरकार की उपलब्धियां

शिवानी, एमजेएमसी

उत्तरप्रदेश सरकार में जनता के हित में योजनाएं चलाई है जैसे कन्या विद्याधन, हौसला पोषण योजना, 1090 मिड डे–मिल, मुख्य मंत्री ग्रामोदय योजना आदि। इसके अलावा और भी कई ऐसे काम शुरु किए। मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के लोगों के हित में ये योजनाएं चलाई गई ताकि प्रदेशवासी इन योजनाओं का लाभ उठा सके।

किसी भी योजना का शुभारंभ होता ही इसलिए है ताकि वह अधिक से अधिक जनता को लाभान्वित करे। उत्तरप्रदेश सरकार का भी यही उद्देश्य रहा है। लेकिन अगर हम ग्रामीण क्षेत्रों की पृष्ठभूमि को देखें तो वहां ऐसी किसी भी योजना के बारे में नहीं पता चलता है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग इनका फायदा उठाना तो दूर की बात, इसके बारे में जानते तक नहीं।

बाते चाहे महिला हेल्पललाइन नम्बषर (1090) की हो, चाहे हौसला पोषण की हो या मुख्यमंत्री ग्रामोदय योजना की हो, ग्रामीण लोग इन योजनाओं से बिलकुल अनभिज्ञ है। यही कारण है कि इन योजनाओं के लाभ से ये लोग अछूते रह जाते हैं।

योजनाएं शुरु करना आसान है लेकिन इन योजनाओं को ग्रामीण परिवेश में लागू करना कठिन कार्य है और किसी भी योजना को शुरु करना कोई बड़ी बात नहीं होती लेकिन उन योजनाओं को लागू करना ही सरकार की उपलब्धि होनी चाहिए। इसलिए सरकार का

यह कर्तव्य है कि शुरु की गई योजनाओं का पूरा ब्यौरा ले साथ ही अधिकारियों पर यह दबाव भी बनाएं कि इनसे (योजना) अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो ताकि इस दबाव में अधिकारी अच्छे से कार्य करें और इन योजनाओं की सेवा ग्रामीण परिवेश में पहुंचे। इसके साथ साथ सरकार को सारे कार्यो का ब्यौरा भी लेना चाहिए और सरकार का यह भी कर्तव्य है कि वह गांव व शहरों में जाकर देखे कि कितना विकास हुआ है, वहां की दशा को देखे ग्रामीण परिवेश में जाकर लोगों से मिले और योजनाओं के बारे में उनसे बातचीत करे।

अगर किसी योजना का सीधा लाभ जनता को नहीं मिलता है तो इसका कारण सिर्फ सरकार है क्योंकि वह योजनाएं काम कर रही हैं या नहीं, इसकी जानकारी सरकार नहीं लेती वहीं इन सुविधाओं से लोग वंचित रह जाते हैं। सरकार अगर यह चाहती है कि इन योजनाओं का लाभ पंहुचे तो उन्हें लोगों तक इन योजनाओं का ब्यौरा करने भी जाना पडेगा।

फोटो ऑफ द वीक — यशु शर्मा

संरक्षक : डा. अतुल कृष्ण (संस्थापक सुभारती विवि), डा. शल्या राज (अध्यक्ष), डा. एनके आहूजा (कुलपति सुभारती विवि) **फैकल्टी इंचार्ज** : राकेश कुमार **संपादकीय टीम** : अर्पूवा मित्तल, नितु कुमारी (बीजेएमसी तृतीय वर्ष) **फोटोग्राफी**: शुभम कुमार, यशु शर्मा एवं शुभम (बीजेएमसी तृतीय वर्ष) , **पेज सज्जा** : अर्पूवा मित्तल *(आप अपने सुझाव और प्रश्न हमारी ईमेल आईडी gsvsijmcenewsletter@gmail.com पर भेज सकते हैं। हमसे संपर्क करने के लिए डायल करें : 0121–3055017, 9456068123)*
—— *प्रकाशित पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा* ——